अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2023) दिनांक : 23.12.2023

समय सीमा : 3 घंटा प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन तत्त्व विद्या–50

प्र. 1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) सम्यक्त्व का बाधक कौन सा कर्म है?

(ख) आश्रव का क्या अर्थ है?

(ग) प्रत्याख्यान माया किसके समान है?

(घ) ओज आहार का ग्रहण जीव किस समय करता है?

(ङ) दसवें गुणस्थान में किन कर्मों का बंधन नहीं होता?

(च) 'दिवसचरिम' किसे कहते हैं?

(छ) कारण के दो प्रकार कौन-कौन से हैं?

(ज) सपर्यवसित श्रुत किसे कहते हैं?

(झ) वस्तुत्व किसे कहते हैं?

(ञ) आदान निक्षेप समिति का क्या अर्थ है?

(ट) क्षायिक चारित्र का क्या अर्थ है?

(ठ) लयन पुण्य किसे कहते हैं?

(ड) कषाय समुदघात से आप क्या समझते हैं?

(ढ) प्राद्येषिकी क्रिया किसे कहते हैं?

(ण) द्रव्येन्द्रिय व भावेन्द्रिय के प्रकारों का नाम लिखें।

(त) किस गति के जीव सबसे अधिक हैं?

(थ) अनिन्द्रिय जीव किसे कहते हैं?

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) बंध किसे कहते हैं? उसके प्रकारों का वर्णन करें।

(ख) ध्यान किसे कहते हैं? धर्म व शुक्ल ध्यान का वर्णन करें।

(ग) आज्ञा व्यवहार, धारणा व्यवहार व जीव व्यवहार का वर्णन करें।

(घ) इंत्थस्थ संस्थान का वर्णन करें।

(ङ) बंध की दस अवस्थाओं में से प्रथम छह अवस्थाओं का वर्णन करें।

प्र. 3 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखें– 20

(क) आत्मा किसे कहते हैं? उसके प्रकारों का विस्तृत वर्णन करें।

(ख) आश्रव के पांच प्रकारों को विस्तार सहित लिखें।

(ग) सांव्यहारिक प्रत्यक्ष के चार प्रकारों का नामोल्लेख करते हुए विस्तार पूर्वक व्याख्या करें।

(घ) नास्ति (अभाव) के चार प्रकारों का नाम लिखते हुए उनका विस्तृत वर्णन करें।

तत्त्व चर्चा–30

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में दें– 10

(क) कर्मों का कर्ता छह में कौन? नौ में कौन?

(ख) पुद्गलास्तिकाय छह में कौन? नौ में कौन?

(ग) सिद्ध भगवान त्रस या स्थावर?

(घ) एकेन्द्रिय संज्ञी या असंज्ञी व सूक्ष्म या बादर?

(ङ) साधु को निर्दोष आहार पानी देना व्रत में या अव्रत में तथा उसमें क्या लाभ होता है?

(च) छह द्रव्यों में सप्रदेशी कितने? अप्रदेशी कितने?

(छ) बंध धर्म या अधर्म?

(ज) जीवास्तिकाय चोर या साहूकार?

(झ) पाप हेय या उपादेय?

(ञ) पुण्य जीव या अजीव?

(ट) जीवास्तिकाय सावद्य या निरवद्य?

(ठ) पाप धर्म या अधर्म?

प्र. 5 कोई चार चर्चा लिखें– 20

(क) पुण्य धर्म आदि एक या दो?

(ख) नौ तत्त्व पर छह द्रव्य नौ तत्त्व।

(ग) अठारह पाप आदि पर छह द्रव्य, नौ तत्त्व (प्रारम्भ से लिखते हुए तीन गुप्ति तक लिखें)

(घ) कर्म पर चर्चा।

(ङ) नौ तत्त्व पर सावद्य निरवद्य।

(च) विविध विषयों पर छह द्रव्य नौ तत्त्व।

गीतिका–20

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) जिनकी अस्थि और मज्जा.....के रंग में रंगी हुई है। जिन्हें प्रवचन का..... रूचिकर लगता है।

(ख) .....आने से साधु और.....का धर्म प्रकट होता है.....रूपी स्त्री का वरण शीघ्र होता है।

(ग) जिसके अन्तर में.....रूपी सूर्य उदित हो गया है, उसकी..... प्रकाशित हो गई है और उसका अंधकार दूर हो गया है।

(घ) तूं जीव को नहीं जानता, अजीव को नहीं जानता.....की तुझे परख नहीं है,..... .....की प्रकृति का तुझे ज्ञान नहीं, फिर भी तूं बहुत अहंकार करता है।

(ङ) नौ तत्त्वों को सही समझ लेने पर क्या चीज छूट जाती है व किस चीज की प्राप्ति होती है?

(च) पाखंडियों की संगत करने से जीव को क्या नुकसान उठाना पड़ता है?

प्र. 7 कोई तीन पद्यों को अर्थ सहित पूर्ण करें– 15

(क) देव गुरु.....रो भर्म।

(ख) न्याय री.....चतुराई रे।

(ग) सगला में.....लगाई रे।

(घ) लीथी टेक.....जात।

(ङ) पाप धर्म.....लड़ाई रे।